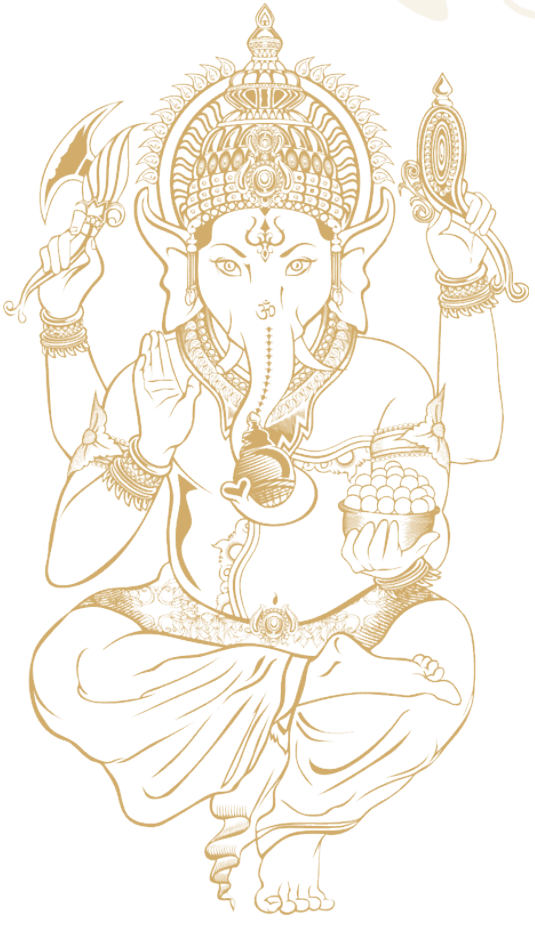

Manoj Kumar

31 Jul 1973

12:20 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121065606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/07/1973**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:20:00 घंटे**
इष्ट	16:35:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:20 घंटे
साम्पातिक काल	08:33:52 घंटे
सूर्योदय	05:41:46 घंटे
सूर्यास्त	19:12:47 घंटे
दिनमान	13:31:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:25:46 कर्क
लग्न के अंश	10:07:42 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:07:42	310:56:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			कर्क	14:25:46	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	04:51:49	14:24:57	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			मेष	00:38:25	00:30:49	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध			मिथु	29:22:26	00:02:19	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	स्वराशि
गुरु	व		मक	13:36:49	00:07:48	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	13:59:01	01:12:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	06:19:25	00:06:43	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	13:54:11	00:04:23	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	13:54:11	00:04:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	नीच राशि
हर्ष			कन्या	25:57:22	00:01:45	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	11:14:40	00:00:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
प्लूटो			कन्या	08:49:37	00:01:30	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	12:36:04	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:35

लग्न-चलित

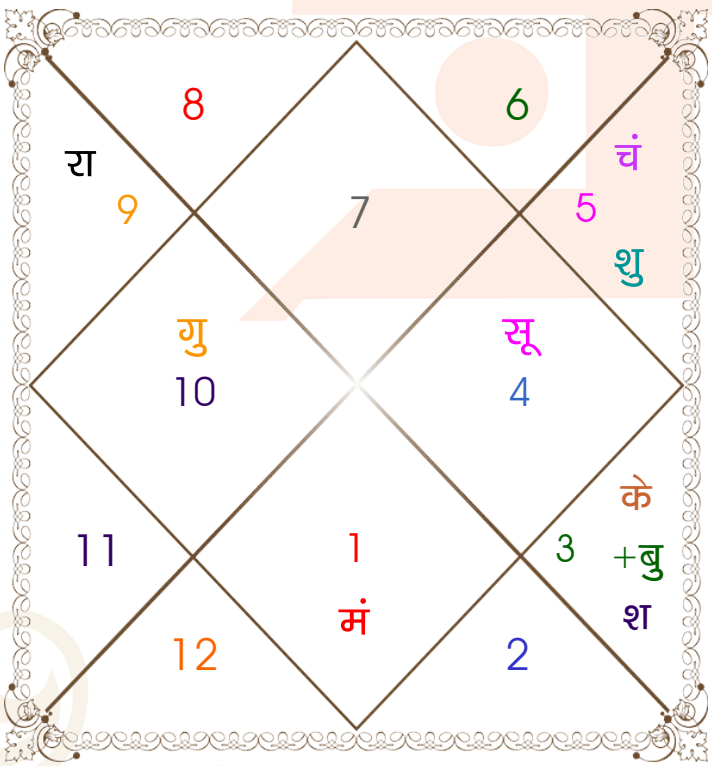

चन्द्र कुंडली

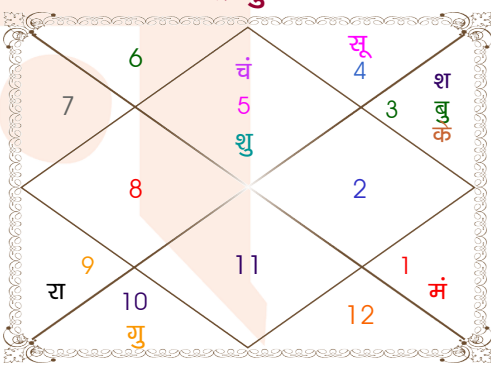

नवमांश कुंडली

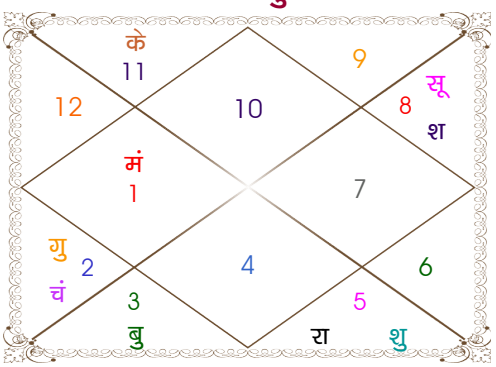

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 5 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/07/1973		10/01/1978		10/01/1998		11/01/2004		10/01/2014	
10/01/1978		10/01/1998		11/01/2004		10/01/2014		10/01/2021	
	00/00/0000	शुक्र	12/05/1981	सूर्य	30/04/1998	चंद्र	10/11/2004	मंगल	08/06/2014
	00/00/0000	सूर्य	12/05/1982	चंद्र	29/10/1998	मंगल	11/06/2005	राहु	27/06/2015
	00/00/0000	चंद्र	11/01/1984	मंगल	06/03/1999	राहु	11/12/2006	गुरु	02/06/2016
	31/07/1973	मंगल	12/03/1985	राहु	29/01/2000	गुरु	11/04/2008	शनि	12/07/2017
मंगल	11/12/1973	राहु	12/03/1988	गुरु	16/11/2000	शनि	10/11/2009	बुध	09/07/2018
राहु	29/12/1974	गुरु	11/11/1990	शनि	29/10/2001	बुध	12/04/2011	केतु	05/12/2018
गुरु	05/12/1975	शनि	10/01/1994	बुध	05/09/2002	केतु	11/11/2011	शुक्र	04/02/2020
शनि	13/01/1977	बुध	10/11/1996	केतु	10/01/2003	शुक्र	12/07/2013	सूर्य	11/06/2020
बुध	10/01/1978	केतु	10/01/1998	शुक्र	11/01/2004	सूर्य	10/01/2014	चंद्र	10/01/2021

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/01/2021		10/01/2039		10/01/2055		10/01/2074		10/01/2091	
10/01/2039		10/01/2055		10/01/2074		10/01/2091		00/00/0000	
राहु	23/09/2023	गुरु	28/02/2041	शनि	13/01/2058	बुध	08/06/2076	केतु	09/06/2091
गुरु	16/02/2026	शनि	11/09/2043	बुध	22/09/2060	केतु	05/06/2077	शुक्र	08/08/2092
शनि	23/12/2028	बुध	17/12/2045	केतु	01/11/2061	शुक्र	05/04/2080	सूर्य	14/12/2092
बुध	12/07/2031	केतु	23/11/2046	शुक्र	01/01/2065	सूर्य	09/02/2081	चंद्र	15/07/2093
केतु	30/07/2032	शुक्र	24/07/2049	सूर्य	14/12/2065	चंद्र	12/07/2082	मंगल	31/07/2093
शुक्र	30/07/2035	सूर्य	12/05/2050	चंद्र	15/07/2067	मंगल	09/07/2083		00/00/0000
सूर्य	23/06/2036	चंद्र	11/09/2051	मंगल	23/08/2068	राहु	25/01/2086		00/00/0000
चंद्र	23/12/2037	मंगल	17/08/2052	राहु	30/06/2071	गुरु	02/05/2088		00/00/0000
मंगल	10/01/2039	राहु	10/01/2055	गुरु	10/01/2074	शनि	10/01/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।